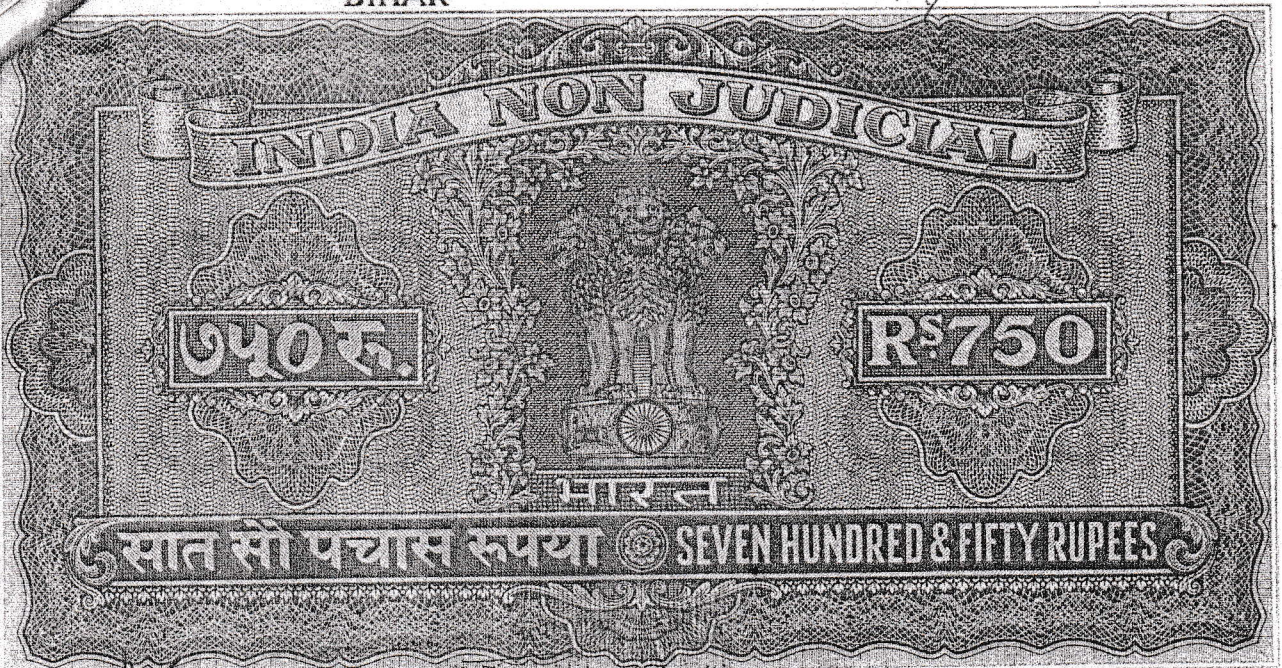


11571

BIHAR

11217 4214

750 Rs.



15  
 7-6 Sale  
 house  
 30000/-  
 Beaula  
 4T  
 1/1570

23-  
 23-  
 23-  
 23-

ALD 368.00  
 N(4) 3.00

372/-  
 20/-  
 5/-

Total - 397/-

Stamp tax I.S.A. ch  
 Stamp tax Muni. ch

720/-  
 600/-  
 1320/-

1.4.70

१ लेखकारी का नाम :- श्री तारा चन्द जैन सुपुत्र स्वर्गीय श्री सूरज मल जी  
 जैन जाति जैन व्यवसाय व्यापार निवास स्थान नगर रांची  
 उपर बाजार मारवाड़ी टोली धाना जिला रांची ।

२ लेखकारी का नाम :- श्री रघुचन्दन सिंह सुपुत्र स्वर्गीय श्री राम बृदा सिंह  
 मुत्तफा जाति हिन्दू व्यवसाय खेती निवास स्थान ग्राम  
 रक्षा पुर धाना सोनपुर जिला हमरा वर्तमान निवास स्थान  
 ग्राम धाना गुमला जिला रांची ।

३ लेख प्रकार :- विक्रय पत्र बराबर के लिख ।

४ मूल्य :- केवल ३०,०००) तीस हजार रुपैया मात्र मूल्य तथा हमरवन्दी  
 मालगुजारी प्रति वर्ग केवल ०-७५ पैसे ।

५ जमीदार का नाम :- सिद्धी० गुमला ।

मानेप कुमल सिंह

1.4.70



-२-

६ विवरण सम्पत्ति :- एक पक्का मकान में सहन साहबान अगुती पिहुती तथा भूमि जिस पर मकान पक्का बना हुआ है तथा उस पक्के मकान में लगे सभी सामान स्वत्व हमरवंदी दखली हक और हिस्सा लेख्यकारी का है जिस पर लेख्यकारिका निर्विवाद और निर्विन्ध दखल कबजा है तथा मकान सब प्रकार से निर्विकार परम शुद्ध और पवित्र है उस पक्के मकान की स्थिति स्थान ग्राम गुमला थाना गुमला जिला रांची थाना नं० ५६ खाता नं० १५० सर्वे पलौट नं० ३०२ क्षेत्रफल ०-०० डी० जिसकी चतुः सिमा निम्न प्रकार है जो कलकटरी तथा जिला रजिस्ट्रार रांची सब रजिस्ट्रार गुमला के बन्दर है ।

चौहद्दी

उत्तर- आदित्य साव का बाड़ी  
दक्षिण- पी० डब्लू० डी० रोड  
पूर्व- बड़ाईक इश्वरीप्रसाद सिंह का दोन खेत  
पश्चिम- आदित्य साव का मकान का गली ।

संदर्भ

अथः- उपरोक्त खाता नं० १५० सर्वे पलौट नं० ३०२ क्षेत्रफल ०-०० डी० भूमि श्री धनश्याम दास सावु इत्यादि की थी जिन्होंने उक्त भूमि को श्री राय बहादुर हरख चन्द जैन श्री तारा चन्द जैन श्री ज्ञान चन्द जैन एवं श्री प्रकाश चन्द जैन से तारीख ४-८-१९४७ ई०

-३

मनोय कान्त सिंह

witness

Sohan Lal Jain

1-8-70

1-8-70



-३-

को जिसकी रजिस्ट्री तारीख ७-८-१९४७ ई० को हुई तथा जिसकी पुस्तक संख्या १ मौलुम संख्या ३३ पृष्ठ संख्या ५१३-५१८ में निबंधित किया हुआ है निबंध संख्या ४९४१ वर्ष १९४७ ई० रांची सब रजिस्ट्री ऑफिस है मूल्य लेकर विक्रय कर दिये श्री राय बहादुर हरस चन्द्र जैन इत्यादि यह भूमि खरीद कर अपना नाम जमींदार के कार्यालय से और सब स्टेट से दाखिल सारिज करा कर ह्मरवंदी मालगुजारी प्रति वर्ष आदाय कर खीद प्राप्त करते हैं। बाद में तारीख २०-१०-१९६६ ई० को उक्त चारों भ्राता के बिब रजिस्ट्री के द्वारा बटवारा हो गया जिसका बटवारा पत्र संख्या ६१४६ पुस्तक संख्या १ मौलुम संख्या ६७ पृष्ठ संख्या ४४४-४८७ वर्ष १९६६ ई० रांची सब रजिस्ट्री ऑफिस है उस बटवारा पत्र द्वारा विक्रय वाली भूमि लेखकारी केहिस्से में मिला तथा उस भूमि पर लेखकारी पक्का मकान बनाये हैं जोसके पीछे हिस्से मेंसीमेन्ट चदरा से छाया हुआ है। यह मकान लेखकारी के निवास स्थान रांची से बहुत दूर है जहासे मकान का देख भाल ठीक से नहीं होता है विक्रय कर देना अच्छा समझ कर लेखधारी महोदय से उक्त मूल्य जो सम्मानुसार उचित यथेष्ट और यथार्थ मूल्य है उस पर विक्रय करने की बात पक्की की है उसी के अनुसार आज के रोज लेखधारी महोदय से केवल ३०,०००) तीस हजार रुपये नगद मूल्य लिया और उपर वर्णित मकान और जमीन जो सब प्रकार से कृण मार रहीं हर प्रकार के फगड़ा फफट से रहित है लेखधारी महोदय के हाथ हस्तान्तरित कर दिया और लेखधारी महोदय को इस मकान तथा जमीन पर अपने स्थान में दखलकार कर दिया लेखधारी महोदय और उनके उत्तराधिकारी स्थानापन्न इस मकान पर लेखकारी के स्थान में दखलकार होकर और रह कर

--४

Witness:  
 Rajeshwar Prasad Das  
 of Ranchi 1-8-70

मौलुम संख्या ३३



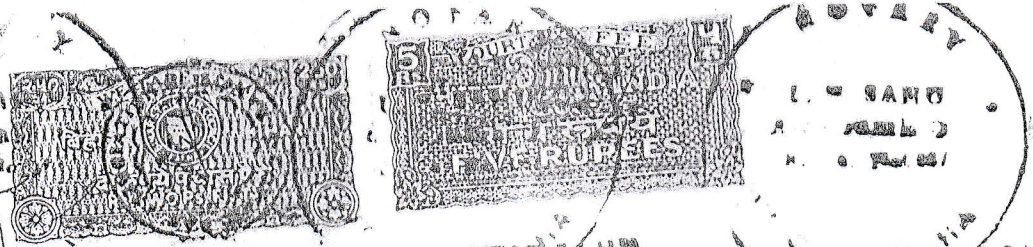
-४-

इस मकान में स्वयं अपने वास करें अथवा किराया पर  
 लगावें किवा अपनी इच्छा अनुसार इस को तोड़ कर नया  
 मकान बनावें कुंआ निर्माण करावें वाटिका लगावें और नया मकान  
 निर्माण कर उस नवनिर्मित मकान इत्यादि में स्वयं वास  
 करें अथवा किरायापर लगावें किवा अपनी इच्छा अनुसार  
 इसे विक्रय पत्र दान पत्र मकफुल सानुबंध विक्रय पत्र प्रतिभूति पत्र  
 इत्यादि करें इसमें लेखकारी और लेखकारी के उत्तराधिकारी  
 स्थानापनों को कोई आपत्ति नहीं है और न होगा न करेंगे।  
 आज के दिन से इस मकान एवं भूमि सम्पूर्ण अथवा इस मकान  
 और भूमि के किसी टुकड़े में लेखकारी और लेखकारी के उत्तराधिकारी  
 स्थानापनों का कोई अधिकार किवा स्वत्व कुछ भी शेष नहीं  
 रहा और न रहेगा जिस प्रकार का स्वत्व और अधिकार इस  
 विक्रय वाली सम्पत्ति पर लेखकारी का है अथवा था किवा  
 होता सो सब स्वत्व और अधिकार जस का तस लेखकारी से  
 विलग होकर उक्त लेखकारी महोदय और उनके उत्तराधिकारी  
 स्थानापनों को प्राप्त हुआ और प्राप्त होगा। अब लेखकारी  
 महोदय इस मकान के लिये सरकार से उनके अंचलाधिकारी के  
 द्वारा अपना नाम लेखकारी के नाम के स्थान में नामांकित  
 करवा लें और ह्यरवदी मालगुजारी और अन्य प्रकार का  
 टैक्स अपने नाम से देकर रसीद अपने नाम से ले लिया करें।  
 लेखकारी ने लेखकारी महोदय को यह भी विश्वास दिलाया  
 है और जान कराया है कि यह सम्पत्ति सब प्रकार के कृण  
 भार सत्वा स्वत्व दोष से मुक्त है यदि वैसा प्रमाणित हो  
 तो उसका देनदार और उत्तरदायी लेखकारी है और होगा  
 और देगा। अतः धोड़े से शब्दों में यह विक्रय पत्र लिख दिया  
 के प्रमाण रहे और आवश्यक वेला पर काम आवे ताः

1-8-70

१६७० ई० ११-२-१०  
 १-२-१० कान्त प्रसाद

मनोय कृष्ण मिश्र



5/11/07  
श्री  
श. नं. (30)  
5/11/07

NOTARY  
श्री - गुमला  
शापथ - पत्र

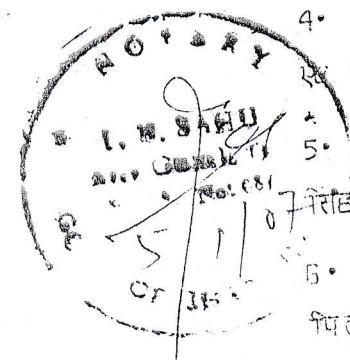
Authorised  
(Act No. 17)  
Along with...

11

मैं परमेश्वर दयाल सिंह पिता स्व० रघुनन्दन सिंह उम्र लगभग 70 वर्ष साकिन  
सिस्ड रोड गुमला थाना को जिला गुमला हाल मौकाम आर बाजार जालाम  
रोड राँची थाना कोतवाली जिला राँची हलफन ध्यानकरता हूँ कि :-

1. यह कि खाता नं० 150 प्लॉट नं० 302 रकबा 0.08 डी० मौजा गुमला थाना नं० 59 की जमीन मेरे पिता रघुनन्दन सिंह की खरीदगी जमीन है ।
2. यह कि मेरे पिता रघुनन्दन सिंह ने उक्त खाता प्लॉट की भूमि श्री तारा चन्द जैन सुपुत्र स्व० सूरजमल जो जैन से 1.08.70 को रजिस्ट्री पट्टा से खरीदा है ।
3. यह कि हमारी वंशावली निम्न प्रकार है :- रघुनन्दन सिंह

परमेश्वर दयाल सिंह गुमला



4. यह कि उक्त खाता प्लॉट की भूमि के जलावे की हमसे भूमि गुमला राँची में है ।
5. यह कि उक्त खाता प्लॉट की भूमि मेरे छोटे भाई श्री राजेश्वर प्रसाद सिंह के पुत्र श्री मनोज कुमार सिंह के दखल कब्जे से हिस्से में है ।
6. यह कि उक्त भूमि के संबंध में अदालत कार्यालय में मालगुजारी रसीद मेरे पिता के नाम से ही निर्गत होता है ।
7. यह कि उक्त खाता प्लॉट की भूमि के संबंध में अदालत कार्यालय में पंजी 11 में श्री मनोज कुमार सिंह पिता श्री राजेश्वर प्रसाद सिंह के नाम से दर्ज किये जाने से श्री मनोज कुमार सिंह के नाम से ही मालगुजारी रसीद निर्गत किये जाने पर मुझे कुछ भी आपत्त नहीं है ।

परमेश्वर दयाल सिंह

मनोज कुमार सिंह

मनोज कुमार सिंह

क्रमांक - A/06

5409



अधिवक्ता संघ, गुमला

प्राधिकृत हस्ताक्षर

(12)

2.

सत्यापन

परमेश्वर दयाल सिंह

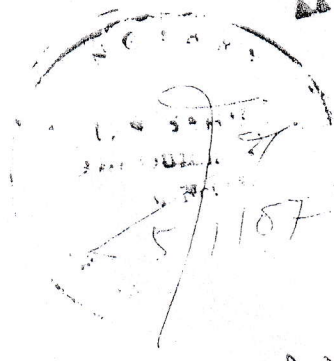
मैं परमेश्वर दयाल सिंह हलफन ब्यान करता हूँ कि उपरोक्त दिये गये सभी ब्यान मेरे ज्ञान व जानकारी में सही सत्य व ठीक दुस्त है । आज दिनांक 5.1.07 को मोकाम गुमना में सत्यापित व हस्ताक्षरित

Deponent is identified by me and he has signed in my presence

  
5/1/07

शापथकर्ता परमेश्वर दयाल सिंह ने मेरे समक्ष आज दिनांक - 5.1.07 को शापथ ग्रहण किया जिसका पहचान श्री परमेश्वर दयाल सिंह अधिकाताने किया ।

कुम नं० (130) 2008 /-

  
5/1/07

नोटरी  
INDIA  
Dist. GUMNA  
5/1/07

मनोज कुमार सिंह

मनोज कुमार सिंह